an>

Title: Regarding reprinting of literature on Dr. Bhimrao Ambedkar on the occasion of his 125th Birth Anniversary.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : मैडम, डॉ. बी.आर अम्बेडकर के 125वीं जन्मदिवस के अवसर पर भारत सरकार ने अम्बेडकर के साहित्य को रिप्रिंट करने की घोÂषणा की थी, लेकिन यह वादा पूरा करने में जुलाई 2014 से महाराÂष्ट्र सरकार द्वारा एनओसी न मिलने की वजह से असफल रही है। डॉ. अम्बेडकर का जितना भी साहित्य है उसको रिप्रिंट करने के महाराÂष्ट्र सरकार की परमिशन की आवश्यकता होती है। अम्बेडकर फाउन्डेशन भारत सरकार इन पब्लिकेशन को प्रिंट करती है उसके हिसाब से बहुत ज्यादा डिमांड होने से एक भी कॉपी एवेलेबल नहीं है। इन साहित्यों की अहमियत इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि 2013 और 2014 में ही बीस हजार वोल्यूम बिक गए थे। मैं सरकार से अपील करता हूं कि इस कार्य को हाई प्रायरिटी बेसिस पर निगोसिएशन पूरी करे और जल्द से जल्द से इसका समाधान निकाले ताकि सारी वोल्यूम्स रिप्रिंट होकर लोगों को मिले क्योंकि एक तरफ हम 125वीं जयंती मना रहे हैं। माननीय अध्यक्ष महोदया, दूसरी तरफ जो साहित्य अवेलेबल है, यदि वही जनता को नहीं मिलेगा, तो कैसे काम चलेगा। ...(व्यवधान)

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्तकुमार): माननीय अध्यक्ष महोदया, माननीय श्री मल्लिकार्जुन खड़गे साहब ने बहुत ही महत्वपूर्ण विÂषय को सदन में प्रस्तुत किया है। डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी का पूरा साहित्य देश के सभी नागरिकों को उपलब्ध होना चाहिए, इसमें कोई दो राय नहीं है। इसलिए इस काम को भारत सरकार अवश्य करेगी। मैं माननीय खड़गे जी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम इस काम को करेंगे और यह भी बताना चाहता हूं कि यह सूचना मैं संबंधित मंत्री जी को भी दूंगा।